लखनऊ LIVE युवा हिन्दुस्तान
रविवार , 27 दिसम्बर 2015

एक परीक्षक दिन में सिर्फ 80 कॉपियां ही जांचेगा

एकेटीयू

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

अब, एक दिन में डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की सेमेस्टर परीक्षाओं की सिर्फ 80 उत्तरपुस्तिकाओं का ही मूल्यांकन होगा। मूल्यांकन की गुणवत्ता को सुधारने के लिए कुलपति प्रो. विनय पाठक ने शनिवार को ये निर्देश जारी किए। साफ किया है कि प्रत्येक परीक्षक को प्रतिदिन अधिकतम 80 उत्तरपुस्तिकाएं ही मूल्यांकन के लिए दी जाएंगी। पूरे मूल्यांकन अवधि में प्रथम वर्ष की अधिकतम एक हजार मात्र और अन्य वर्षों की 640 कॉपी ही एक परीक्षक से जांच कराई जाएगी। इसके इतर आवश्यकता पड़ने पर विश्वविद्यालय की अनुमति अनिवार्य होगी।

प्रधान परीक्षक करेगा मूल्यांकन

प्रधान परीक्षक कम से कम 10 प्रतिशत मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं का पुनः मूल्यांकन करेगा। वह 40 (चालीस मात्र) उत्तरपुस्तिकाओं के प्रत्येक पैकेट में कम से कम एक अधिकतम प्राप्तांक वाली तथा एक न्यूनतम प्राप्तांक वाली उत्तरपुस्तिका का पुनः मूल्यांकन अनिवार्य रूप से किया जाए। प्रो. पाठक ने बताया कि मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं का विश्वविद्यालय द्वारा नामित परीक्षकों और विषय विशेषज्ञों द्वारा रैण्डम् सैम्पलिंग से माध्यम से कुछ उत्तरपुस्किाओं को विश्वविद्यालय स्तर पर पुनः मूल्यांकित कराया जाएगा। जिसमें विश्वविद्यालय के परीक्षा संबंधित नियमो के अन्तर्गत यदि कोई अनियमियतता पाई गई तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

विश्वविद्यालय से लेनी होगी अनुमति

जांचने से पहले पूर्व प्रश्नपत्रों के सोल्यूशन्स एवं संशोधन को लेकर विश्वविद्यालय से अनुमति लेनी होगी। ये सुनिश्चित किया जाएगा कि परीक्षक के पास कम से कम तीन वर्ष का विषयगत अनुभव अवश्य हो। यदि कोई शिक्षक परास्तानक/पीएचडी हो तो उसके एक वर्ष के शैक्षणिक अनुभव को परीक्षक के कार्य हेतु अनुभव सीमा के बराबर माना जाए। पूर्व अनुमति के बिना किसी अन्य को परीक्षक नामित न किया जाए। विशेष परिस्थितियों में परीक्षक नियुक्त करते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखा जाय कि परीक्षक ने सम्बन्धित विषय का अध्यापन कार्य अवश्य किया हो एवं इसका अनुमोदन विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त कर लिया जाए।